विषय – हिन्दी, कक्षा –आठवीं

अधिन्यास –5

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

निर्गुण भक्ति मार्गी कवि कबीरदास जी द्वारा कही गई सूक्ति ' साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप' हमें सत्य के मार्ग पर चलने और झूठ को छोड़ने के लिए प्रेरित करती है| सच्चाई का शाब्दिक अर्थ है- सत्य का स्वरूप या सत्यता। सत्य का स्वरूप बताने के लिए इसे एक विशिष्टि अर्थ प्रदान किया गया है कि जो भूत , वर्तमान और भविष्य में भी रहे या बना रहे , वही सत्य है। सत्य का स्वरूप को जानने के लिए सत्य और असत्य के अंतर को जानना बहुत ही आवश्यक है। असत्य के मार्ग पर चलने से न केवल हमारे चरित्र पर दाग लगता है बल्कि यह हमारे लिए निर्मम और दुखद भी होता है जबकि सत्य का आचरण करने वाला व्यक्ति सच्चरित्रवान होकर महान बनता है। वह सत्य को अपने जीवन का परमो द्देश्य मान लेता है। सत्य का आचरण करके व्यक्ति देवत्व की श्रेणी को प्राप्त कर लेता है और अपने सत्कर्मों और आदर्शों से वह वन्दनीय और पूजनीय बन जाता है। संसार में अनेकानेक महामानवों ने सत्यानुसरण करके सत्य का महत्व सिद्ध किया है। राजा दशरथ ने अपने सत्य वचन के पालन के लिए ही प्राण प्यारे राम को बनवास देने में तनिक भी देर नहीं लगाई | सत्यवादी हरिशचन्द्र ने सत्य का अनुसरण करते हुए अपने को डोम के हाथ तथा अपनी पत्नी और पुत्र को एक ब्राहमण के हाथ बेचकर घोरतम कष्ट और विपदाओं को सहने का पूरा प्रयास किया , लेकिन इस ग्रहण किए हुए सत्यपथ से कभी पीछे कदम नहीं हटाया। इसी प्रकार से महाभारत काल में भी सत्य का पालन करने के लिए भीष्म पितामह ने कभी भी अपनी सत्य प्रतिज्ञाओं का निर्वाह करने में हिम्मत नहीं हारी। आधुनिक युग में महात्मा गाँधी को राष्ट्रपिता के उपाधि भी सत्य और अहिंसा के प्रचार-प्रसार के कारण मिली |

क - सत्य का विशिष्ट अर्थ लिखिए |

ख – सत्य के स्वरूप को किस प्रकार जाना जा सकता है?

ग - हमें सत्य का पालन क्यों करना चाहिए |

घ - राजा हरीशचंद्र को सत्यवादी क्यों कहा जाता है?

ङ - उपर्युक्त गद्यांश के माध्यम से कबीरदास जी ने क्या संदेश प्रदान किया है?

च - गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए |

प्र० -2 निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार, अनुनासिक तथा नुक्ता का प्रयोग कीजिए |

क – पिजरा छ – आगन

ख- पछी ज – पसद

ग- गाव झ- सजाएँ

घ- समस्याए ञ- काफी

ङ- मजिल ट- बर्फ

च- साप ठ- कर्ज

प्र० 3- निम्नलिखित शब्दों में 'र' के उचित रूप का प्रयोग कीजिए |

क – गवनर छ – आचाय

ख- पांत ज – मूखता

ग- स्वण झ- वत

घ- आशीबाद ञ- राष्ट

ङ- कायशाला ट- धम

च- गह ठ- विद्याथी

प्र० 4- निम्नलिखित शब्दों के समान अर्थ वाले दो-दो शब्द लिखिए |

क - उन्मुक्त ---------- ----------

ख- शाह ---------- ----------

ग - पंछी ---------- ----------

घ - अरमान ---------- ----------

ङ - समस्या ---------- ----------

च - तरु ---------- ----------

छ – आदर ---------- ----------

प्र० 5 - निम्नलिखित तत्सम शब्दों का तद्भव रूप लिखिए |

क - कृषक ----------

ख- जिह्वा ----------

ग - निद्रा ----------

घ - अश्रु ----------

ङ - सूर्य ----------

च - मयूर ----------

छ- नीड़ ----------